

or cracking the fingers (Mar. उटकी). —वेष्टः ring; अङ्गान्यङ्गुलीवैष्टान् Rām. 6. 65. 26. —सङ्घा [अङ्गुलौ सङ्गो यस्या: सा] sticking to the fingers; °गा यवागूः °गा गा: सादयति P. VIII. 3. 80 Sk. (अङ्गुलिसलेपकारं यवागूदव्यम् Tv.). (—ङः) contact of the fingers; act of fingering. गतमङ्गुलिष्ठङ्गं त्वां ..... Bk. 9. 78. —संज्ञा [तु. त.] a sign made by the finger; मुखापितैकाङ्गुलिसज्ज्ञैव Ku. 3. 41 —सन्देशः making signs with fingers; cracking or snapping the fingers as a sign. —संभूत a. [स. त.] produced from or on the finger. (—तः) a finger nail.

**अङ्गुलिका** 1 = अङ्गुलि. —2 A sort of ant.

**अङ्गुली (री) यम्, कम्, -यकम्** [अङ्गुलौ-रौ भवम्, स्वर्थे कन्] A finger-ring; तत्र सुचरितमङ्गुलीयं नूनं प्रतनु ममेव S. 6. 10; m. also; काकुस्थस्याङ्गुलीयकः Bk. 8. 118.

**अङ्गुष्ठः** [अङ्गौ पाणौ प्राधान्येन तिष्ठति; अङ्गु-स्था] P. VIII. 4. 97] 1 The thumb; great toe. —2 A thumb's breadth, usually regarded as equal to अङ्गुल [cf. Zend *angusta*, Pers. *angust*.] —Comp. —मात्र a. [परिमाणार्थं मात्रङ्] of the length or size of a thumb; अङ्गुष्ठमात्रः पुरुषोऽङ्गुष्ठं च समाश्रितः। Nara. Up. °त्रं पुरुषं निश्चक्षि बलाद्यमः Mb.

**अङ्गुष्ठः** [अङ्गुष्ठे भवः छ] The thumb-nail.

**अङ्गूषः** [अङ्ग-क्षन्] 1 An ichneumon (नकुल) —2 An arrow.

**अङ्गूष्** 1 A. (अङ्गूष्टे; आनङ्गे) 1 To go. —2 To commence, set about. —3 To hasten. —4 To scold, blame.

**अङ्गूषस्** n. [अङ्गूष्टे गच्छति नरकमनेन अङ्गूष-असुरः] A sin; युध्मच्छासनलङ्घनाङ्गसि मया ममेन नाम स्थितम् Ve. 1. 12 v. 1.

**अङ्गूषारि** a. [ऋ-इण् पृष्ठे.] Ved. Of a bright or splendid form or nature (दीप्तिशील); an enemy to sin or evil (?).

**अङ्गूषो** Expositive expressive of anger (सकोपामन्त्रो) Pratimā 3; or grief (अङ्गूषो मया भद्रवत्या घट्टाहिता Pratijñayau. 4).

**अङ्गूषि** (अंहिः) [अङ्गूष-किन् निपातोऽयम् Uṇ. 4. 66.] 1 A foot. —2 The root of a tree. सुकूपोपविक्षुः कामं स्तिवध-च्छायाङ्गुपिषाङ्गुषिः Bhāg. 10. 82. 12. —3 A quarter of a stanza (चतुर्थापादः.) —4 A quarter of something; cf. दन्तद्वन्द्वप्रदीपाङ्गुषिः भिमवरमप्यविमूर्येन गृहात्। Mātanga L. 7. 2 —Comp. —कवचः A foot wear. —जः A शूद. —पः [अङ्गिणा पिवति सिक्तजलम्; पा-क] a tree; दिकु वृद्धाङ्गुपिषाङ्गः Ve. 2. 18. —पर्णी-पिंका, —बली, —चालिका [अङ्गौ मूले तदारभ्य वा पर्णी-न्यस्याः; स्वार्थे कन्; अङ्गूरारभ्य वलीव पर्णितेन] N. of a plant सिंहपुच्छी Hedyosarum Lagopodioides (Mar. डबल, पिठवण). —पान a. [अङ्गूषः पानं यस्य or अङ्गूषि पिवति] sucking his foot or toes; as an infant. —बला (see अङ्गुषिपर्णी). —सधिः (also अङ्गृधयः) the ankle-bone. —स्कन्धः [अङ्गैः स्कन्ध इव] the ankle.

**अङ्गूषिकवारि** n. A moulding of lamp-post (दीपण्ड); अथवाङ्गुषिकवारि स्यादूर्ध्वे च कुड्मलान्वितम्। Māna. 50. 78-79.

**अच्** 1U. (अचति, अच्छति, आनन्द, अश्चितुम्, अक्त) 1 To go. move; to honour; request, ask &c.; connected with अङ्ग् q. v. —च् m. (Gram.) A term for vowels.

**अचक्** a. 1 Having no wheels. —2 Immovable. —3 Not wavering.

**अचम्पुस्** a. Eyeless, blind; °विषय a. invisible; अचम्पुष्यं दुर्गं न प्रमादेत काहिनित। Ms. 4. 77. —n. A bad or miserable eye.

**अचण्ड** a. Not hot-tempered, mild, gentle. अचण्डगति पवनम् Ki 6. 25. —ण्डी A mild or tractable cow.

**अचतुर** a. [अविद्यमानानि चत्वारि यस्य —निपातः P. V. 4. 77.] 1 Destitute of four. —2 (न. त.) Not skilful.

**अचर** a. Immovable; चराचरं विश्वम् Ku. 2. 5. चराणमचराः Ms. 5. 29. —2 (Astr.) Epithet of the zodiacal signs शृणम्, सिंह, वृश्चिक and कुम्भ,

**अचरम्** a. Not last, middle &c.; वयस्यचरमे P. IV. 1. 20. Vārt. त्वा वेदान्तेष्वचरममृषिः सूर्यपुत्रः शशास Mv. 3. 26.

**अचल** a. Steady, immovable, motionless, fixed, permanent; वित्रन्यस्तमिवाचलं चामरम् V. 1. 5; तप्सेऽधिवस्तु-मचलामचलः Ki. 6. 18; समाधाचला बुद्धिस्तदा योगमवाप्यसि Bg. 2. 53.; यत्र स्थाणुरिवाचलः S. 7. 11 immovable. —लः 1 A mountain; (rarely) a rock. —2 A bolt or pin (शङ्कु). —3 The number seven. —५ N. of Siva, of the soul, of the first of the 9 deified persons among Jainas. —ला The earth (so called because the earth is immovable according to one view, or, according to Ārya Bhattā who rejects this view, अचलः पर्वतः सन्त्यत्र, अस्त्यर्थं अचः अचलत्वात् स्वक्षातो बहिर्गमनाभावाद्वा). cf. अचलः पर्वते वृक्षे कीलावसुधयोः खियाम् Nm. —लम् Brahman. —Comp. —कन्यका, सुता, -दुहिता, -तनया &c. N. of Pārvatī, daughter of the Himalaya mountain. —कीला (क.) the earth (immovably fixed or pinned). —ज, -जात a. mountain-born. (—जा-जाता) N. of Pārvatī. —त्विष् a. [अचल त्विष् यस्य] of fixed or permanent lustre or colour. (—म, °दू) a cuckoo (बहुप्रकाशेनापि मालिन्यानपगमात् स्थिरा त्विष्). (f.) permanent colour. —द्विष m. [अचलान् द्विषि, द्विष् —किष्] the enemy of mountains, epithet of Indra who clipped off their wings. —धृतिः f. a metre of four lines of 16 short syllables each (गीत्यार्थं) —पतिः, -राद् lord of mountains, N. of Himalaya or Meru; समुद्र इव दुर्बाधः सर्वेनाचल-रादिभः Bhāg 4. 22. 58. so °अधिपः, °त्रेषः. —सप्तमी N. of a book in the भविष्योत्तरपुराण; the 7th day of the bright half of Āśvina.

**अचापल-ल्य** a. [बहु.] Devoid of fickleness, steady. —लम्-ल्यम् [न. त.] Steadiness.

**अचित्** a. Ved. 1 Devoid of understanding. —2 Irreligious, unrighteous. —3 Material (opp. चित्).

**अचित्** a. Ved. 1 Gone. —2 [न. त.] Not thought of. —3 Not collected.

**अचित्** a. 1 Inconceivable. —2 [नास्ति चित्तं यस्य] Destitute of intellect, senseless, stupid. —3 Unnoticed, unexpected, not thought of. —4 Without consciousness, inanimate, nonsentient. P. IV. 2. 47.